A–0176

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAKA (N)-221

नवग्रह विधान

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. शुक्र और शनि ग्रह के स्वरूप का परिचय लिखिए।
2. नवग्रह जप विधि को विस्तारपूर्वक प्रतिपादित कीजिए।
3. राहु एवं केतु के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. सामाजिक जीवन में उपासना (पूजा-पाठ) का क्या महत्व है ? विस्तारपूर्वक लिखिए।

5. पूजन में नवग्रहों का क्या वैशिष्ट्य है ? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नवग्रह-मण्डल चित्र को बना कर सूर्य के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

2. नवग्रह मण्डल में कितने अधिदेवता होते हैं ? उनके नाम लिखिते हुए किन्हीं दो अधिदेवता के वैदिक मन्त्र लिखिए।

3. पञ्चलोकपालों का वर्णन कीजिए।

4. नवग्रहशान्ति पर निबन्ध लिखिए।

5. राहु-शान्ति के लिए जप तथा पूजन विधान का वर्णन कीजिए।

6. नवग्रह हवन विधान पर प्रकाश डालिए।

7. नवग्रह मण्डल निर्माण विधि की विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

8. 'नवग्रहों का स्थानभेद' विषय पर टिप्पणी लिखिए।

****